an>

Title: Regarding development of Jhansi and Lalitpur districts in Uttar Pradesh -laid.

श्री अनुराग शर्मा (झांसी): मैं उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के जनपद झांसी ललितपुर का प्रतिनिधित्व करता हूं, जनपद झांसी व ललितपुर 1974 के पूर्व एक ही जनपद हुआ करते थे, जिसका कि अब भाग्योदय होता हुआ दिखाई दे रहा है, कभी सियासी गलियारों में गिड़गिड़ाता बुंदेलखंड अब माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी व माननीय मुख्यमंत्री महाराज जी की अनुकंपा से बुंदेलखंड की दिशा और दशा बदलने जा रही है I

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा विगत वर्षों में डिफेंस कॉरिडोर, रेलवे कोच फैक्ट्री की स्थापना हेतु घोषणा की थी, जो अब मूर्त रूप लेने जा रही है ,कोशिशें परवान चढ़ी तो वह दिन दूर नहीं जब बुंदेलखंड में कारखानों की एक लंबी श्रृंखला होगी, इसी क्रम में ललितपुर हवाई पट्टी, झांसी हवाई पट्टी की कार्यवाही चल रही है । वर्तमान में खेती पर निर्भर बुंदेलखंड में सरकार के सहयोग से वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट एवं फूड प्रोसेसिंग के संबंध में भी कार्यवाही आगे बढ़ रही है। विशेषता दलहन ,तिलहन ,मटर ,अदरक, मूंगफली आदि के उत्पादक क्षेत्र बरुआ सागर, मऊरानीपुर, चिरगांव ,बबीना, तालबेहट ,जाखलौन, महरौनी ,बिरधा आदि क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण की छोटी छोटी इकाइयां विकसित करने हेतु लोग आगे आ रहे हैं I

वर्तमान वित्तीय वर्ष में ललितपुर में आटा मिल भी स्थापित की गयी है । इन सब कार्यों से बुंदेलखंड वासियों को नियमित रूप से रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका के माध्यम से क्षेत्र के दुग्ध उत्पादकों को बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के रूप में प्लेटफार्म उपलब्ध हुआ है, जिससे यहां के दुग्ध उत्पादकों को सही मूल्य एवं एवं नियमित बैंकिंग भुगतान प्राप्त हो रहा है एवं कृषकों की आय में बढ़ोत्तरी हो रही है।

खनिज संपदा बुंदेलखंड क्षेत्र में विगत शताब्दियों से पन्ना क्षेत्र हीरा उत्पादन के लिए विख्यात है, अब यहां हिनौता, मझगवां तथा छतरपुर जनपद के अंगोर नामक स्थान में भी हीरा प्राप्त होने की पर्याप्त संभावनाएं हैं , हीरा उत्पादन से करोड़ों रुपए की रॉयल्टी प्रांतीय सरकार को प्राप्त होती है I बुंदेलखंड में वास्तु पत्थर के अच्छे भंडार हैं I ग्रेनाइट पत्थर अपनी गठन, कठोरता तथा सुंदरता के कारण अलंकरण पत्थर के रूप में प्रसिद्ध है I विदेशों में जर्मनी, जापान, इटली में इसकी वृहद मांग है Iकांच उद्योग में प्रयोग होने वाली बालू के निक्षेप इतने बड़े हैं कि संपूर्ण भारत की 80% मांग यहीं से पूरी हो सकती है अनेक स्थानों में सिल्का की मात्रा 99.2% है ,गोरा पत्थर भी कई स्थानों में प्रचुर मात्रा में पाया जाता है बुंदेलखंड में पाए जाने वाले खनिजों में फोस्फेराइट , गैरिक जिप्सम, लौह अयस्क, अन्य अमूल्य रत्न आदि है I

संभावित खनिजों की सूची में तांबा ,सीसा ,निकिल, टंगस्टन ,चांदी, सोना आदि है ललितपुर में अनुमानत: 10 करोड़ टन खनिज का भंडार है इसमें से 35% से 67% लोहा प्राप्य है जो स्पंज आयरन हेतु उपयोगी है I सुनरइ ललितपुर में 400 मीटर से 1000 मीटर लंबे तथा 1 से 3 मीटर मोटे ताम्र अयस्क भंडार हैं I जिनमें 0. 5 प्रतिशत तांबा है यहां पर जो ग्रेनाइट चट्टाने पाई जाती हैं, यह चट्टाने अधिकतम रेडियोधर्मी यूरेनियम युक्त होती हैं, ललितपुर में हुए सर्वेक्षण के द्वारा इस संभावना को बल मिला है। महोदय बुंदेलखंड को आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाने के लिए निम्न बिंदुओं पर प्रभावी कार्यवाही की आवश्यकता है I झांसी जनपद मैं यहां के खाद्य उत्पाद मटर, अदरक, दलहन, तिलहन ,मिल्क उत्पाद, रानीपुर टेरीकॉट प्रोसेसिंग की स्थापना हेतु आर्थिक सहयोग व विभिन्न प्रकार की सब्सिडी की आवश्यकता है I

मेरा निवेदन है कि भारत सरकार इस प्रकार की नीति विकसित करें जिससे कि जनपद झांसी,ललितपुर में विभिन्न प्रोसेसिंग यूनिट आसानी से स्थापित की जा सके I बुंदेलखंड के छोटे छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने हेतु बुंदेलखंड में 100 एकड़ भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने हेतु भूमि

खरीद के लिए ऋण लेने पर शत प्रतिशत ब्याज की प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया जाए I श्रमिकों के लिए हॉस्टल या डॉरमेट्री सरकारी खर्चे पर बनवाए जाएं I औद्योगिक क्षेत्र विकास के लिए भूमि खरीद पर बुंदेलखंड क्षेत्र हेतु शत प्रतिशत स्टांप शुल्क में छूट प्रदत्त की जाए. फूड प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित करने के लिए इसे मंडी शुल्क से मुक्त किया जाए. इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में 10 साल तक छूट का प्रावधान रखा जाए । झांसी स्थित बी एच ई एल को अधिक से अधिक सरकारी वर्क आर्डर दिलाए जाने के लिए प्राथमिकता प्रदान की जाए ।